सपन्याह

1 आमोन के बेटे यहूदा के राजा
योशिय्याह के समय में, सपन्याह के
पास याहवे का यह वचन पहुँचा। वह
हिजकिय्याह का बेटा अमर्याह का परपोता
और गदल्याह का पोता तथा कूशी का
बेटा था। 2 याहवे यह कहते हैं, कि मैं
पृथ्वी पर से सब का अन्त कर दूँगा। 3 मैं
मनुष्य और जानवर दोनों को खत्म कर
दूँगा। मैं आकाश के पक्षियों और समुद्र की
मछलियों को, और दुष्टों के साथ उन्होंने जो
रुकावटें बनाई हैं उनका भी अन्त कर दूँगा;
मैं मनुष्य जाति को भी पृथ्वी पर से नाश कर
डालूँगा, याहवे यही कहते हैं। 4 मैं यहूदा
और यरूशलेम के सब निवासियों पर हाथ
उठाऊँगा, और इस जगह पर बाल के बचे
हुए उपासकों को और पुरोहितों के साथ
देवताओं के पुजारियों के नाम को खत्म कर
दूँगा। 5 जो लोग अपने घर की छत पर खड़े
होकर आकाश के तारों की पूजा-अर्चना
करते हैं, और जो लोग दण्डवत् करते हुए
याहवे की आराधना करने की शपथ खाते
हैं और साथ ही साथ मोलेक की भी शपथ
खाते हैं, उनको मैं नाश करूँगा। 6 जिन्होंने
याहवे के पीछे चलना छोड़ दिया है, और
जो याहवे को नहीं ढूँढ़ते, उनकी खोज नहीं
करते, उनको भी मैं सत्यनाश कर डालूँगा।
7 परमेश्वर याहवे के सामने चुप रहो! क्योंकि
याहवे का दिन नज़दीक आया है; याहवे
ने अपना यज्ञ तैयार किया है, और अपने
मेहमानों को न्योता दिया है। 8 याहवे के यज्ञ
के दिन, मैं गवर्नरों और राजकुमारों को
और जितने परदेश के कपड़े पहना करते
हैं, उनको भी सजा दूँगा। 9 उस दिन मैं उन
सभों को सजा दूँगा जो मन्दिर की डेवढ़ी
को लांघते, और अपने मालिक के घर को
उपद्रव और छल से भर देते हैं। 10 याहवे
कहते हैं, कि उस दिन मछली फाटक के
पास चिल्लाने की, और नये टोले मिश्नाह में
हाहाकार की, और टीलों पर बड़े धमाके
की आवाज़ सुनाई देगी। 11 हे मक्तेश के
निवासियो, हाय, हाय, करो! क्योंकि सब
व्यापारी बर्बाद हो गए; जितने चाँदी से लदे
थे, वे सब नाश हो गए हैं। 12 उस समय मैं
दिया लेकर यरूशलेम में ढूँढूँगा, और जो
लोग अँगूर से दाखरस निकालने पर बची
तलछट तथा मैल के समान बैठे हुए अपने
मनों में कहते हैं कि याहवे न तो अच्छा
करेंगे और न बुरा, उनको मैं सजा दूँगा।
13 तब उनकी दौलत लूट ली जाएगी, और
उनके घर उजाड़ कर दिए जाएँगे। वे घर तो
बनाएँगे, परंतु उनमें रहने न पाएँगे; और वे
अँगूर के बगीचे लगाएँगे, लेकिन उसके रस
का मज़ा नहीं चख पाएँगे। 14 याहवे का
भयानक दिन नज़दीक आया है, वह बड़ी
तेज़ी से नज़दीक चला आता है; याहवे के
दिन का शोर सुनाई देता है, वहाँ बहादूर
दुःख के मारे चिल्लाता है। 15 वह गुस्से का
दिन होगा, वह संकट और उदासी का दिन
होगा, वह उजाड़ और बर्बादी का दिन
होगा, वह अन्धियारे और काली घटाओं
का दिन होगा। 16 वह गढ़वाले नगरों और
ऊँचे गुम्मटों के खिलाफ़ तुरहियों को फूँकने
और ललकारने का दिन होगा। 17 मैं मनुष्यों
को संकट में डालूँगा, और वे अन्धों के
समान लड़खड़ाकर चलेंगे, क्योंकि उन्होंने
याहवे के खिलाफ़ अपराध किया है; उनका

खून धूल के समान और उनका मांस गंदगी
की तरह फेंक दिया जाएगा। 18 याहवे के
गुस्से के दिन में वे न तो चाँदी देकर बच
पाएँगे, और न सोना देकर; क्योंकि उनके
जलन की आग से सारी पृथ्वी जलकर राख
हो जाएगी; वह पृथ्वी के सारे निवासियों
को डरा देगा और उनको नाश कर देगा।

2 हे लोगो, जिन्हें किसी बात की शर्म नहीं
है, इकट्ठे हो जाओ! 2 इससे पहले कि
सजा की आज्ञा पूरी हो और तुम्हारे बचने का
दिन भूसे के समान निकल जाए, और याहवे
का भड़का हुआ गुस्सा तुम पर आ पड़े, और
याहवे के गुस्से का दिन तुम पर आए, तुम
इकट्ठे हो जाओ। 3 हे पृथ्वी के सब नम्र लोगो,
हे याहवे के नियमों का पालन करनेवालो,
उनकी खोज में लगे रहो; ईश्वर भक्ति की
खोज में रहो; नम्रता की खोज में रहो। ऐसा
हो सकता है कि तुम याहवे के गुस्से के
दिन में शरण पाओ। 4 क्योंकि अज्जा तो
निर्जन और अश्कलोन उजाड़ कर दिया
जाएगा; अशदोद के रहनेवाले दिन-दोपहर
के समय निकाल दिए जाएँगे, और एक्रोन
उखाड़ दिया जाएगा। 5 समुद्र के किनारों पर
रहनेवालों पर दुख आने वाला है; करेत राष्ट्र
के लोगों पर दुख आने वाला है। हे कनान, हे
पलिश्तियों के देश, याहवे का वचन तुम्हारे
खिलाफ़ है; और मैं तुमको ऐसा बर्बाद कर
दूँगा कि तुममें से कोई बचेगा नहीं। 6 उसी
समुद्र के किनारे पर चरवाहों के घर होंगे
और भेड़शालाओं के सामने चराई होगी।
7 अर्थात् वही समुद्र किनारा यहूदा के घराने
के बचे हुए लोगों को मिलेगा, और वे उस
पर अपने जानवरों को चराएँगे; वे शाम को
उन घरों में सोएँगे जिन्हें अश्कलोन के लोगों
ने छोड़ दिया था, क्योंकि उनके परमेश्वर
याहवे उनका ध्यान रखेंगे और उनके कैदियों
को वापस लौटा ले आएँगे। 8 मोआब ने मेरी
प्रजा की बदनामी की, और अम्मोनियों ने
उसकी निन्दा की और उसके देश की सीमा
पर हमला किया। यह बात मेरे कानों तक
पहुँची है। 9 इस कारण इस्राएल के परमेश्वर,
सेनाओं के याहवे कहते हैं, मेरे जीवन की
शपथ, सचमुच मोआब सदोम के समान,
और अम्मोनी अमोरा के समान उजड़ जाएँगे
और वहाँ बिच्छू पेड़ और नमक की खानें
होंगी। वे हमेशा उजड़ी हुई दशा में ही रहेंगी।
मेरी प्रजा के बचे हुए लोग उनको लूटेंगे,
और मेरी जाति के बचे हुए लोग उनको
अपने देश में पाएँगे। 10 उनके घमंड के कारण
उनसे बदला लिया जाएगा, क्योंकि उन्होंने
सेनाओं के याहवे की प्रजा की बदनामी की
और उनके खिलाफ़ घमंड़ किया है। 11 याहवे
उनको डरावने लगेंगे। वह पृथ्वी के सारे
देवताओं को भूखा मार डालेंगे, और सारे
द्वीपों पर रहने वाले दूसरी जाति के लोग
अपनी अपनी जगह से उनको दण्डवत् किया
करेंगे। 12 हे कूशियो (इथियोपियन लोगो),
तुम भी मेरी तलवार से मार डाले जाओगे।
13 वह अपना हाथ उत्तर दिशा की ओर
बढ़ाकर अश्शूर को नाश कर देंगे, और
नीनवे को उजाड़ करके जंगल के समान
निर्जल कर देंगे। 14 वहाँ सब तरह के जंगली
जानवर झुँड बनाकर बैठेंगे। उसके खम्भों
की कंगनियों पर धनेश और साही दोनों
रात को बसेरा करेंगे और उसकी खिड़की
में बोला करेंगे। उसकी डेवढ़ियाँ सूनी पड़
जाएँगी, और देवदार की लकड़ी का काम
नहीं होगा। 15 यह वही नगरी है, जो खुश
रहती थी और उसे किसी बात का डर नहीं
था। वह सोचती थी कि मैं ही हूँ और मुझे
छोड़ कोई है ही नहीं। लेकिन अब यह उजड़
गई है और जंगली जानवरों के बैठने की

जगह बन गई है। उसके पास से होकर जाने
वाला ताली बजाएगा और हाथ हिलाएगा।
3 हाय! बगावत करनेवाली और अपवित्र
तथा अन्धेर करने वाली नगरी! 2 उसने
मेरी बातों पर ध्यान नहीं दिया, सज़ा मिलने
पर भी नहीं मानी, उसने याहवे पर भरोसा
नहीं रखा, वह अपने परमेश्वर के पास नहीं
आई। 3 उसके गवर्नर गरजनेवाले सिंह हैं;
उसके न्यायाधीश शाम के समय शिकार
पर निकलनेवाले भेड़िए हैं। वे सुबह के
लिए कुछ भी बचाकर नहीं रखते। 4 उसके
भविष्यद्वक्ता फालतू बड़बड़ करनेवाले और
दगाबाज़ हैं। उसके पुरोहितों ने पवित्र स्थान
को अपवित्र किया है और व्यवस्था में
गड़बड़ी की है। 5 याहवे जो उनके बीच में
हैं, वह पवित्र हैं, वह गलत नहीं करेंगे; वह
अपना न्याय हर सुबह प्रगट करते हैं और
चूकते नहीं; लेकिन टेढ़ी चाल चलने वाले
को शर्म नहीं आती। 6 मैंने दूसरी जातियों को
बर्बाद कर दिया, जिससे उनके होने वाले
गुम्मट उजड़ गए; मैंने उनकी सड़कों को सूना
कर दिया, और उन पर कोई चलता हुआ नहीं
दिखाई देता। उनके नगर ऐसे बर्बाद हुए कि
उनमें कोई मनुष्य या कोई प्राणी नहीं रहा।
7 मैंने कहा, काश कि तुम मेरा भय रखोगी,
और मेरी सीख लोगी जिससे उनका निवास
स्थान जो मैंने उन्हें दिया था, नाश न हो।
लेकिन वे सुबह उठते ही बुरे कामों में लग
जाते हैं। 8 इसलिए याहवे कहते हैं, कि जब
तक कि मैं नाश करने के लिए न उठूँ, तब
तक तुम मेरा इंतज़ार करते रहो। क्योंकि मैंने
सोच लिया है कि मैं राष्ट्रों और राज्य के
लोगों को इकट्ठा करूँगा, और उन पर अपना
गुस्सा, भयानक गुस्सा प्रगट करुँगा; जिससे
मेरे गुस्से की आग भड़क उठेगी क्योंकि
सारी पृथ्वी मेरी जलन की आग से भस्म हो
जाएगी। 9 उसके बाद मैं अलग-अलग देश के
लोगों को एक नई और शुद्ध भाषा दूँगा, और
वे सब के सब याहवे के नाम को पुकारेंगे,
और एक मन होकर उनकी सेवा करेंगे।
10 मेरे तितर-बितर हुए लोग मेरी आराधना
करने वाले, इथियोपिया की नदियों के पार
से मेरे लिए भेंट ले आएँगे। 11 उस दिन, तुम
अपने सारे कामों के कारण, जिनकी वजह
से तुमने मेरे खिलाफ़ गुनाह किया था, शर्म
महसूस न करोगी। उस समय में मैं तुम्हारे
बीच से सारे घमण्डियों को दूर करूँगा,
और तुम मेरे पवित्र पर्वत पर फिर कभी
घमंड न करोगी। 12 क्योंकि मैं तुम्हारे बीच में
गरीब और दीन लोगों का एक दल बचाकर
रखूँगा, और वे याहवे की शरण में आएँगे।
13 इस्राएल के बचे हुए लोग बुरे काम नहीं
करेंगे और झूठ नहीं बोलेंगे, और उनके मुँह
से छल की बात नहीं निकलेगी। वे अपने झुँड
को चराएँगे और आराम करेंगे, और उनको
डरानेवाला कोई न होगा। 14 हे सिय्योन, ऊँचे
स्वर से गा; हे इस्राएल, जयजयकार कर! हे
यरूशलेम अपने सारे मन से खुशी मना और
खुश हो जा! 15 याहवे ने तुम्हारी सज़ा दूर कर
दी है और तुम्हारे दुश्मनों को भी दूर दिया है।
इस्राएल के राजा, प्रभु याहवे तुम्हारे साथ हैं,
इसलिये तुम्हें दुख उठाना न पड़ेगा। 16 उस
समय यरूशलेम से कहेंगे,“मत डर, तुम्हारे
हाथ ढीले न पड़ने पाएँ।” 17 तुम्हारे परमेश्वर
याहवे तुम्हारे बीच में बड़ी सामर्थ रखते हैं;
वह तुम्हारा उद्धार करेंगे; वह तुम्हारे कारण
बहुत खुश होकर आनन्द मनाएँगे, वह अपने
प्यार को प्रगट करेंगे; फिर ऊँचे स्वर से गाते
हुए तुम्हारे लिए खुशियाँ मनाएँगे। 18 मैं उन
लोगों को भी इकट्ठा करूँगा जो ठहराई हुई
सभाओं में शामिल न होने के कारण दुख
मनाते हैं, उनको मैं इकट्ठा करूँगा, क्योंकि

वे तुम्हारे ही हैं। उनको अपनी बदनामी बोझ
लगती थी। 19 उस समय मैं उन सभों के साथ
जो तुम्हें दुःख पहुँचाते हैं, निपट लूँगा। मैं
लँगड़ों को चँगा करूँगा, और जिन्हें निकाल
दिया गया है उन्हें वापस इकट्ठा करूँगा। मैं
इस बात का ध्यान रखूँगा कि उस हर देश में
जहाँ उनको शर्मिंदगी उठानी पड़ी, मैं उनकी
प्रशंसा और कीर्ति फैलाऊँगा। 20 उसी समय
मैं तुम्हें वापस ले आऊँगा। और उस समय
मैं तुम्हें इकट्ठा करूँगा; और जब मैं तुम्हारे
कैदियों को वापस ले आऊँगा, तब मैं तुम्हारी
नज़रों के सामने सारी पृथ्वी के लोगों के
सामने तुम्हारी कीर्ति और प्रशंसा फैला दूँगा,
याहवे का यही वचन है।

DUSTY SANDALS
All Rights Reserved. www.dustysandals.com